Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

वार्षिक परीक्षा मॉडल प्रश्नपत्र

सामान्य हिन्दी

कक्षा-12

समय: 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश - प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

नोट : (i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों - खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) 'सरस्वती' पत्रिका के प्रथम सम्पादक हैं-

(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(ii) श्यामसुन्दर दास

(iii) जयशंकर प्रसाद

(iv) हरदेव बाहरी

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सा लेखक 'खड़ी बोली' का प्रारम्भिक गद्य लेखक है?

(i) रामप्रसाद निरंजनी

(ii) सदल मिश्र

(iii) पं० दौलत राम

(iv) शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द'

(ग) सन् 1957 में पद्मभूषण से अलंकृत हुए-

(i) रायकृष्णदास

(ii) विद्यानिवास मिश्र

(iii) स०ही०वा० 'अज्ञेय'

(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

(घ) हिन्दी एकांकी का जनक किसे माना जाता है ?

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ० रामकुमार वर्मा

(iii) किशोरीलाल गोस्वामी

(iv) राधाकृष्ण

(ङ) 'भारत की एकता' के लेखक हैं—

(i) हरिशंकर परसाई

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

2. (क) 'चन्द्रकांता सन्तति' रचना है -

(i) भारतेन्दु युग की

(ii) द्विवेदी युग की

(iii) छायावादी युग की

(iv) छायावादोत्तर युग की ।

(ख) छायावादोत्तर युग के लेखक नहीं है?

(i) भीष्म साहनी

(ii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iv) बालकृष्ण भट्ट ।

(ग) केदारनाथ पाण्डेय किस लेखक का वास्तविक नाम है?

(i) अज्ञेय का

(ii) राहुल सांकृत्यायन का

(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी का

(iv) जैनेन्द्र का ।

(घ) 'रानी केतकी की कहानी' नामक कहानी विधा की रचना के रचयिता हैं—

(i) पं० लल्लूलाल

(ii) मुंशी इंशा अल्ला खाँ

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(iii) सदल मिश्र

(iv) रामप्रसाद निरंजनी

(ङ) यशपाल कृत 'सिंहावलोकन' रचना की विधा है—

(i) आत्मकथा

(ii) रेखाचित्र

(iii) संस्मरण

(iv) कहानी ।

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है । उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है जो अंततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक हैं। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए । मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) लेखक किनको एक-दूसरे का विरोधी नहीं मानता

(iv) डॉ० कलाम संवृद्धि की कद्र क्यों करते हैं?

(v) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने छात्रों को क्या संदेश दिया है?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामन्त-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसे रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गए, समाज ढह गए, और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। सन्तान - कामिनियों को गन्धर्वों से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा — पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली-दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया!

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) सामन्ती सभ्यता की परिष्कृत रुचि का प्रतीक किसे कहा गया है?

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(iv) "अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहरं हो, जितना भी रहस्यमय हो" इस वाक्यांश में किस रहस्य की ओर संकेत किया गया है?

(v) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार सामन्त क्यों उखड़ गए ?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

यह मनुज, ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश ।
यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम,
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम ।
यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार, ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय' पर,
न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।
श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत;

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) आकाश और पृथ्वी का कोई भी तत्व किससे अज्ञात नहीं रह सकता?

(iv) संसार के सभी जड़-चेतन पदार्थ किस कारण मनुष्य को प्रणाम करते है?

(v) 'आकाश' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

अथवा

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव - रस का कटु प्याला है
वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहन कारी हाला है।
मैंने विदग्ध हो जान लिया अन्तिम रहस्य पहचान लिया
मैंने आहुति बनकर देखा यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है!
मैं कहता हूँ में बढ़ता हूँ, मैं नभ की चीटी चढ़ता हूँ
कुचला जाकर भी धुली-सा आँधी-सा और उमड़ता हूँ
मेरा जीवन ललकार बने असफलता हो असि धार बने ,
इस निर्मम रण में पग-पग का रुकना ही मेरा वार बने!

(i) कवि किसे रोगी मानता है?

(ii) प्रेम जिनके लिए 'सम्मोहनकारी हाला' है, कवि उन्हें क्या मानता है?

(iii) 'हाला' तथा 'असि धार' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए

(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

(v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल,

(ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम,

(iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर',

(ii) महादेवी वर्मा,

(iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ।

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) :

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' को चरित्रगत विशेषताओं का उलेख कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(ii) खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iv) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(v) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

(vi) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए ।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

हिन्दी – संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समान अधिकारः आसीत्। हिन्दी — हिन्दु - हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत्। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशी हिन्दू विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्व बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशील सिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । यतो हि उभावपि देशी बौद्धधर्मे निष्ठावन्ती । आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीन राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद, कीजिए-

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

ऋषयो राक्षसीमाहुः वाचमुन्मन्तदृप्तयो ।
सः योनिः सर्ववैराणां सा हि लोकस्य निर्ऋतिः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—

(i) नौ दो ग्यारह होना।

(ii) पानी-पानी होना

(iii) सावन हरे न भादो सूखे।

(iv) घर का भेदी लंका ढावे ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए-

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(i) 'महोत्सवः' का सन्धि-विच्छेद है-

(अ) महो + उत्सव:

(ब) महा + उत्सवः

(स) मह + ओत्सव

(द) महोत + सव

(ii) 'शायक' का सन्धि-विच्छेद है.

(अ) शै + अक:

(ब) शय + अक:

(स) सा + अक

(द) शौ + अक:

(iii) 'स्वागतम्' का सन्धि-विच्छेद है—

(अ) स्वा + गतम्

(ब) सु + आगतम्

(स) सो + आगतम्

(द) स्वाग + तम्।

(ख) दिए गएं निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए-

(i) 'नाम्ना' शब्द में विभक्ति और वचन है-

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन ।

(ii) बालकस्य -

(अ) षष्ठी, एकवचन

(ब) द्वितीया, बहुवचन

(स) पञ्चमी, द्विवचन

(द) सप्तमी, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए-

(i) कपिश - कपीश-

(अ) मटमैला और अंगद

(ब) सुग्रीव और काला

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(स) बालि और सुग्रीव

(द) मटमैला और सुग्रीव ।

(ii) हर-हरि

(अ) शिव और पार्वती

(ब) हरण और हरा रंग

(स) शंकर और विष्णु

(द) विष्णु और शिव ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए-

(i) विधि

(ii) शिव

(iii) हाथ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए-

(i) बहुत कम बोलने वाला।

(अ) अल्पगामी

(ब) अल्पभाषी

(स) अल्पज्ञ

(द) ये सभी।

(ii) बहुत तेज बुद्धि वाला।

(अ) कुशाग्रबुद्धि

(ब) चंचल

(स) चालाक

(द) बुद्धिमान ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(i) उसका प्राण निकलने वाला है।

(ii) कृष्ण और राधा नृत्य कर रहा है।

(iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ।

(iv) अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहा है।

12. (क) 'करुण रस' अथवा 'हास्य रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण लिखिए ।

(ख) 'उत्प्रेक्षा' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए |

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

13. ग्राम प्रधान की ओर से अपने जनपद के जिलाधिकारी को पत्र लिखिए, जिसमें गाँव की सफाई व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया हो ।

अथवा

अपनी शैक्षिक योग्यताओं का उल्लेख करते हुए किसी उद्योग प्रबन्धक को लिपिक के पद पर नियुक्ति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए-

(i) बढ़ें बेटियाँ, पढ़ें बेटियाँ

(ii) मेरे प्रिय कवि : तुलसीदास

(iii) आतंकवाद : समस्या एवं समाधान

(iv) छात्र और अनुशासन ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)